साबुन उद्योग में कर्मचारियों की छंटनी

659. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

क्या श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा वनस्पति की कीमतों पर लगाये गये कुछ नियंत्रणों तथा आयातित कच्चे माल के स्थान पर देशी कच्चे माल का ही प्रयोग करने की योजनाओं का लाभ उठाकर कुछ बड़े साबुन उद्योगपति अपने कर्मचारियों की संख्या में कमी कर रहे हैं;

(ख) क्या उन्हें इस सम्बन्ध में किसी प्रतिनिधि कर्मचारी संघ की ओर से कोई अभ्यावेदन मिला है; और

(ग) यदि हां, तो किस की ओर से, और इस सम्बन्ध में उद्योगपतियों पर क्या रोक लगाई जा रही है ?

श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) से (ग). यह मामला राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार में आता है। भारत सरकार को इस सम्बन्ध में किसी भी ट्रेड यूनियन से कोई ज्ञापन प्राप्त नहीं हुआ है और उसके पास कोई सूचना प्राप्त नहीं है।

सीधी टेलीफोन व्यवस्था

659. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में दिल्ली तथा कुछ अन्य नगरों के बीच सीधी टेलीफोन व्यवस्था के परिणामस्वरूप राजस्व पर कितना प्रभाव पड़ेगा ; और

(ख) क्या चालू वर्ष में अन्य नगरों के साथ की जाने वाली प्रस्तावित सीधी टेलीफोन व्यवस्थाओं में से किसी व्यवस्था के स्थापित होने की संभावना है ?

संसद-कार्य तथा संचार विभागों में राज्य मंत्री (श्री जगन्नाथ राव) : (क) दिल्ली के उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग प्रणाली के चालू हो जाने से टेलीफोन आय पर हुए प्रभाव की गणना आसानी से नहीं की जा सकती क्योंकि उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग कालें उपभोक्ता के स्थानीय काल–मीटरों पर ही दर्ज की जाती है, अतः ऐसी कालों से हुई आय को स्थानीय कालों की आय से पृथक नहीं किया जा सकता । फिर भी, अगस्त, 1965 में दिल्ली से सम्बद्ध उपभोक्ता ट्रंक डायल मार्गों के नमूने के तौर पर किए गए अध्ययन से ऐसा पता चला है कि उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग चालू होने से पूर्व की आय की तुलना में उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग से होने वाली आय में पर्याप्त वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नवर्ती तालिका से स्पष्ट हो जाएगा ।

मार्ग	उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग के चालू होने से पूर्व दैनिक औसत आय	अगस्त, 1965 में उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग से दैनिक औसत आय
	रु०	रु०
दिल्ली-आगरा	804	801
दिल्ली-जयपुर	1805	11230
दिल्ली-कानपुर	1892	14000
दिल्ली-पटना	792	5182
दिल्ली-लखनऊ	2274	9752